बाल भारती पब्लिक स्कूल ,पीतमपुरा
साप्ताहिक पाठ योजना
कक्षा -सातवीं
विषय -हिंदी

सप्ताह -5/10/20 से 9/10/20
कालांश 02
उपविषय -अपूर्व अनुभव
अधिगम प्रतिफल-
1)छात्र समझ पाएँगे कि दृढ़ निश्चय एवं अथक प्रयास से सफलता अवश्य मिलती है ।
2)विषम परिस्थितियों में हार न मानकर हिम्मत से काम लेना चाहिए ।
3)शारीरिक विकलांगता किसी भी कार्य में बाधक नहीं होती ।
4)सहायता करने की भावना की सीख बच्चों को मिलेगी ।

निर्देशात्मक सहायक सामग्री -
https://youtu.be/8PVV7zDxSTE

पाठ परिवर्धन
कालांश -1
नोट -अध्यापिका द्वारा पाठ का आदर्श वाचन किया जाएगा छात्र अनुकरण वाचन करेंगे ।
पाठ का सार -

BBPS,PITAMPURA

यह कहानी मूलतः जापानी भाषा में लिखा गया है जिसमें तोमोए में पढ़ने वाले तोत्तो-चान तथा यासुकी-चान नामक दो जापानी बच्चों के संघर्ष को दिखाया गया है। यहाँ हरेक बच्चा एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था और वह उनकी निजी संपत्ति होती थी। तोत्तो-चान यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ने का न्योता देती है। यासुकी-चान को पोलियो हो गया था, जिस कारण वह पेड़ पर चढ़ नहीं सकता था।

तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कुहो-बुत्सु जाने वाली सड़क के पास था। उस बड़े पेड़ पर चढ़ने पर पैर फिसलने लगते थे। ठीक से चढ़ने पर ज़मीन से छह फुट की ऊँचाई पर स्थित द्विशाखा तक पहुँचा जा सकता था। वह झूले जैसी आरामदेह जगह थी। तोत्तो-चान अक्सर खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद उस पर चढ़ी मिलती। वहाँ से वह दूर आकाश को या सड़क पर आने-जाने लोगों को देखती।

तोत्तो-चान यासुकी-चान के साथ मिलकर उसे पेड़ पर चढ़ाने की योजना बनाती है। वे अपने घर में माता-पिता को भी इस बारे में कुछ नहीं बताते। तोत्तो-चान अपनी माँ से झूठ बोलती है कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। वह यासुकी-चान को स्कूल में मिलती है और उसे लेकर अपने पेड़ के पास पहुँचती है। इस पेड़ पर वह कई बार चढ़ चुकी थी। तोत्तो-चान चाहती थी कि अब यासुकी-चान भी उस पेड़ पर चढ़े। यासुकी-चान भी पेड़ पर चढ़ने के विचार से बहुत उत्साहित था।

तोत्तो-चान उसे अपने पेड़ के पास ले गई। वहाँ वह चौकीदार के यहाँ से एक सीढ़ी उठाकर ले आई। तोत्तो-चान चौकीदार के छप्पर से एक सीढ़ी घसीटकर पेड़ के तने के सहारे लगा देती है। वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ने की कोशिश करने के लिए कहती है। यासुकी-चान बिना सहारे के एक सीढ़ी भी नहीं चढ़ पाता। वह निराश हो जाता है परन्तु तोत्तो-चान हार नहीं मानती और फिर चौकीदार के छप्पर की ओर दौड़कर वहाँ से तिपाई सीढ़ी घसीट लाती है। पसीने से लथपथ तिपाई सीढ़ी को द्विशाखा से लगा देती है। तोत्तो-चान उसको एकएक सीढ़ी पर चढ़ाकर उसे पूरा सहारा दे रही थी। यासुकी-चान भी पूरी शक्ति लगाकर पेड़ पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था। आखिरकार वह पेड़ के पास तक पहुँच ही जाता है। तभी तोत्तो-चान को लगता है कि उनकी सारी मेहनत बेकार हो गई है चूँकि यासुकी-चान पेड़ के पास तो पहुँच गया था किंतु पेड़ पर नहीं चढ़ पा रहा था।

तोत्तो-चान का रोने का मन होने लगा लेकिन वह रोती नहीं है। तोत्तो-चान यासुकी-चान को पेड़ का सहारा लेकर लेटने के लिए कहती है। वह उसे पेड़ की ओर पूरी शक्ति से खींचने लगती है। यह एक खतरे से भरा काम था। यासुकी-चान को तोत्तो-चान पर पूरा विश्वास था। अंत में तोत्तो-चान यासुकी-चान को अपने पेड़ पर खींचकर लाने में सफल हो ही जाती है। पसीने से लथपथ तोत्तो-चान सम्मान से यासुकी-चान का अपने पेड़ पर स्वागत करती है। वे दोनों काफ़ी देर तक पेड़ पर बैठकर इधर-उधर की बातें करते रहे। यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह पहला और अंतिम अवसर था।

निम्नलिखित प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा की जाएगी और छात्र अपने शब्दों में प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखेंगे ।
प्रश्न 1)पाठ की विधा और लेखक का नाम बताएँ ।
प्रश्न 2)यासुकी चान का घर कहाँ था ?
प्रश्न 3)माँ से झूठ बोलते समय तोतो चान की नज़रें नीचे क्यों थी ?
प्रश्न 4)यासुकी चान पेड़ पर क्यों नहीं चढ़ पाता था ?
क्रियाकलाप-
छात्र अपनी कल्पना के आधार पर एक चित्र बनाएँगे जिसमें कोई किसी की सहायता कर रहा हो और 5-6 पंक्तियों में उस चित्र का वर्णन करेंगे ।
कालांश -2
नोट - छात्र शेष पाठ का पठन-पाठन करेंगे व पाठ में आए कठिन शब्द और शब्दार्थ कॉपी में लिखेंगे ।
कठिन शब्द

संपत्ति	शिष्टता
आमंत्रित	स्टेशन
उल्लास	हार्दिक
उत्साह	निश्चय
स्वागत	टेलीविजन
लुभावनी	पोलियो

शब्दार्थ -

- विशाखा – दो शाखाएँ
- आरामदेह – आराम देने वाली
- आमंत्रित – बुलाया जाना
- सूना – खाली, सुनसान
- उत्तेजित – जोश में आना
- ठिठियाकर – खिलखिलाकर
- धकियाना – धक्का देना
- छप्पर – झोंपड़ी के ऊपर की छत
- तिपाई – तीन पैरों वाली
- तरबतर – भीगी हुई
- धरने में – रखने में
- हुर्रे – जीत की खुशी व्यक्त करने वाला शब्द
- थामना – पकड़ना
- जोखिम – खतरा
- झिझकता-हुआ – संकोच करता हुआ
- सूमो-कुश्ती – जापानी पहलवानों की कुश्ती

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कॉपी में कीजिए ।
प्रश्न 1)यासुकी चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोतो चान ने अथक प्रयास क्यों किया ?

प्रश्न 2)तोमोए में पेड़ और बच्चों के बीच क्या संबंध था ?
प्रश्न 3)तोतो चान ने कौन सा साहस भरा काम किया ?
प्रश्न 4)तोतो चान ने यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए सबसे पहले क्या किया और वह असफल क्यों रही ?
क्रियाकलाप -
छात्र अपने जीवन की किसी घटना पर अनुच्छेद लिखेंगे जिसमें उन्होंने किसी की सहायता की हो ।
मूल्यांकन-मौखिक चर्चा ,प्रश्नोत्तर,गृहकार्य एवं गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा ।

BBPS,PITAMPURA